Date: / /

~~आतंकवाद की अवधारणा~~

सफेदपोश अपराध

सफेद पोश अपराध एक विशेष प्रकार का अपराध है। जो अच्छे व साफ लिबास मे ढके रहने वाले उच्चस्तरीय लोगो द्वारा क्रियान्वित एवं संचालित होता है

ई. ए. रास. ने अपनी पुस्तक सिन एण्ड सोसाइटी मे 1907 मे किया। इसे व्यवस्थित अलवर्ट मारिस ने अपनी पुस्तक क्रिमिनोलाजी मे 1934 मे किया

एडविन एच. सदरलैण्ड को है।

इन्हो ने 1939 मे अमेरिकन सोशियोलाजिकल सोसाइटी के अध्यक्षीय भाषण मे इस अवधारणा को अपने शोध पत्र व्हाइट कालर क्रिमनैलिटी मे किया

सफेदपोश अपराध का अर्थ एवं परिभाषाएँ

एडविन एच. सदरलैण्ड - ने लिखा है सफेद पोश अपराध उच्च सामाजिक आर्थिक वर्ग के लिए व्यक्ति के द्वारा अपने पेशे के परियाथा के दौरान अपराधि कानून का उल्लघंन है

मार्शल क्लिनार्ड - के शब्दो मे सफेद पोश अपराध व्यापार से सम्बधित कानूनो प्रमुख से व्यापारिक पेशेवर व्यक्तियो द्वारा अपनी पेशे से सम्बध मे किया गया कानूनी उल्लघंन है

एफ. ई. हारटुंग - के अनुसार सफेद पोश अपराध व्यापार से सम्बधित कानूनो का ऐसा उल्लंघन है। जो किसी कम्पनी करखाने प्रतिष्ठान आ उसके प्रतिनिधियो द्वारा अपना व्यपार चलाने के लिए किया जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

सफेदपोश अपराध की विशेषताएँ

(1) सफेदपोश अपराध सामान्यत: समाज के उच्च सामाजिक प्रस्थिति प्राप्त व्यक्तियों के द्वारा किये जाते है
जैसे – नेता, प्रशासक, व्यापारी, व्यावसायिक आदि के द्वारा किये गये अपराध

(2) सफेदपोश अपराध मे विधि संहिता का उल्लंघन होता है। सदरलैण्ड मार्शल क्लिनार्ड एवं हारटुंग आदि ने भी अपनी परिभाषा मे स्पष्ट किया है।

(3) सफेद पोश अपराध सामान्यत: धन प्राप्ति के सन्दर्भ मे किये जाते है। एडेलहर्ज ने लिखा सफेद पोश अपराध एक अवैध क्रिया या अवैध क्रियाओ का अनुक्रम है।

(4) सफेद पोश अपराध किसी विशिष्ठ संस्थान या व्यक्ति के विरुद्ध नही होता है। अत: कोई भी विशिष्ठ क्षतिग्रस्त व्यक्ति नही होता जो इसकी शिकायत करे

(5) सफेद पोश का अपराध का अपराधी स्वयं को अपराधी नही मानता अपने को एक सम्मानित नागरिक मानता है।

सफेदपोश अपराध के दुष्परिणाम

(1) भ्रष्टाचार – सफेद पोश अपराध के परिणामस्वरूप समाज मे असुरक्षा की भावना की हुआ व्यक्ति मे धन लोलुपता जितनी अधिक होगी भ्रष्टाचार उतना ही अधिक तीव्र होगा
जैसे – राजनिती व्यापार शिक्षा न्याय प्रशासन पुलिस आदि –

सामाजिक सुरक्षा – सफेद पोश अपराध के कारण समाज मे असुरक्षा की भावना का विकास होता है। तब भला आदमी कैसे सुरक्षित रह सकता सकता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

अव्यवस्था या अराजकता - सफेदपोश अपराध के कारण समाज में अव्यवस्था की स्थिति देखी जा सकती है। चारो तरफ अराजकता का माहौल बनता देखा जा सकता है। ऐसे अपराध के कारण समाज में घुसखोरी कालाबजारी धोखाधड़ी छल प्रपंच व्यापारिक हेराफेरी तथा श्रमिकों के साथ दुर्व्यवहार करने की आदत बढ़ जाती है।

अन्य अपराध - सफेद पोश अपराध के परिणाम स्वरुप समाज में अन्य अपराधों में वृद्धि हुई है। चोरी डकैती हत्या बलत्कार अपहरण आदि जैसे - अपराध सफेदपोश की देन है।

अविश्वास - सफेदपोश अपराध के कारण जन समान्य में प्रशासन के प्रति अविश्वास की भावना की प्रादुर्भाव होता है। जो समाज के लिए खतरनाक है। क्योंकि ऊपर से नीचे - मंत्री से कर्मचारी तक - सभी भ्रष्ट बने हुऐ हैं।

14/09/2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया